

भारत आ रही गैस की बड़ी छेप सरकार ने वैकल्पिक रूट से सुनिश्चित की सप्लाई

एजेंसी । नई दिल्ली

होर्मुज के अलावा, भारत अन्य रास्तों से अब तेल और गैस का आयात कर रहा है। बुधवार को एक अधिकारी ने बताया कि कच्चा तेल का 75 फीसदी हिस्सा अब होर्मुज के अलावा, अलग रास्ते से आ रहा है। देश में LPG शॉर्टेज के बीच सरकार की ओर से एक बड़ी जानकारी आई है। गैस की कमी की आशंकाओं के बीच, एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि LNG के दो कार्गो देश की ओर आ रहे हैं। पेट्रोलियम और मानव संसाधन मंत्रालय (एमओएनजी) की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि कच्चे तेल की आपूर्ति भी सुरक्षित बनी हुई है। उन्होंने कहा कि आज मौजूदा मात्रा होर्मुज जलडमरूमध्य

से सामान्य रूप से आने वाली मात्रा से अधिक है। ओएमसी ने अलग-अलग देशों से कच्चे तेल के अलग-अलग कार्गो आ रहे हैं। पहले यह 55% था, जबकि अब 75% कच्चा तेल होर्मुज के अलावा अन्य मार्गों से आ रहा है। देश में एलपीजी की बुकिंग को लेकर मची अफरा-तफरी के बीच अधिकारी ने जानकारी देते हुए कहा कि घरेलू एलपीजी की हमारी सामान्य डिलीवरी प्रक्रिया 215 दिन की ही रहती है। ग्राहकों को सिलेंडर बुक करने के लिए जल्दबाजी करने की कोई जरूरत नहीं है। सरकार एनर्जी आपूर्ति की लगातार निगरानी कर रही है और विश्व संकट के बीच खास उपाय पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई है, वहीं न्यूज एजेंसी पीटीआई ने बताया है कि यह शिकायत पुणे के शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई है, वहीं न्यूज एजेंसी पीटीआई ने बताया है कि यह शिकायत पुणे के शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई है। इस मामले में वाजिद ने पुलिस से हार्दिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज

जीत के जश्न में हार्दिक पर तिरंगे के अपमान का आरोप

एजेंसी । अहमदाबाद

भारत की टी20 वर्ल्ड कप जीत के जश्न के बाद स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या एक नए विवाद में घिर गए हैं। उनके खिलाफ राष्ट्रीय ध्वज के कथित अपमान को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई है। यह शिकायत पुणे के वकील वाजिद खान बिडकर ने दी है, जिन्होंने मामले में उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने पुलिस को लिखित आवेदन सौंपकर क्रिकेटर के खिलाफ जांच और कार्रवाई की अपील की है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, यह शिकायत बंगलूरु के शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई है, वहीं न्यूज एजेंसी पीटीआई ने बताया है कि यह शिकायत पुणे के शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई है। इस मामले में वाजिद ने पुलिस से हार्दिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज

करने की मांग की है। सोशल मीडिया वीडियो के आधार पर शिकायत शिकायत के मुताबिक, भारत की जीत के बाद खिलाड़ियों के जश्न के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। इन वीडियो में पांड्या को कंधे पर तिरंगा लपेटकर मैदान पर दौड़ते और डांस करते हुए देखा जा सकता है। वकील का आरोप है कि जश्न के दौरान एक वीडियो में पांड्या अपनी गर्लफ्रेंड के साथ मंच पर लेटे हुए दिखाई देते हैं, जबकि उस समय भी उनके कंधे पर तिरंगा लिपटा हुआ था। शिकायतकर्ता का कहना है कि इस तरह का व्यवहार राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के खिलाफ है। कानून का हवाला दिया वाजिद खान बिडकर ने कहा कि भारत के राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा बनाए रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है और इसके लिए कानून



भी मौजूद है। उन्होंने बताया कि उन्होंने इस मामले में राष्ट्रीय ध्वज से जुड़े कानून का हवाला देते हुए शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने न्यूज एजेंसी एएनआई से कहा, 'आपने टी20 वर्ल्ड कप देखा होगा। हार्दिक पांड्या अपनी जीत का जश्न मनाते हुए अपनी गर्लफ्रेंड के साथ डांस कर रहे थे। उनके पीछे राष्ट्रीय ध्वज बंधा हुआ था। 1971 के राष्ट्रीय ध्वज कानून की धारा दो के अनुसार हमें राष्ट्रीय ध्वज की

गरिमा का सम्मान करना चाहिए। लेकिन हार्दिक पांड्या जीत के जश्न में इतने खो गए थे कि वे अपनी गर्लफ्रेंड के साथ लेटे हुए थे और उस समय भी राष्ट्रीय ध्वज उनके शरीर पर था। मुझे लगता है कि यह राष्ट्रीय ध्वज का अपमान है।' शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया वकील ने बताया कि शुरुआत में पुलिस ने कहा कि घटना अहमदाबाद में हुई है, इसलिए वहां शिकायत करनी चाहिए। हालांकि उन्होंने यह

तर्क दिया कि राष्ट्रीय ध्वज पूरे देश का प्रतीक है और इसकी गरिमा से जुड़ा मामला कहीं भी उठाया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'मैंने शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। जब मैं शिकायत करने गया तो उन्होंने कहा कि घटना यहां नहीं हुई है। तब मैंने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज पूरे देश का प्रतीक है, इसलिए यहां भी शिकायत की जा सकती है। उन्होंने मेरी शिकायत स्वीकार कर ली और उसकी कॉपी भी दी है। अब देखते हैं आगे क्या होता है।' पांड्या ने जीत को बताया व्यक्तिगत वादा पूरा होना दूसरी ओर हार्दिक पांड्या ने टी20 वर्ल्ड कप जीत को अपने व्यक्तित्व संकल्प की पूर्ति बताया है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ शुरुआत है और टीम आगे भी ट्रॉफियां जीतना चाहती है। पांड्या ने कहा, '2024 में बारबाडोस में मिली जीत के बाद

मैंने खुद से वादा किया था कि जिस भी टूर्नामेंट में खेलूंगा, जीतने के लिए खेलूंगा और ट्रॉफी उठाऊंगा। अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली यह जीत इस बात का प्रमाण है कि मेरा वह वादा सच हो गया। और यह तो बस शुरुआत है।' टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन 32 वर्षीय पांड्या ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में नौ विकेट लिए और अहम मौकों पर मैच जिताने वाली गेंदबाजी की। बल्लेबाजी में भी उनका योगदान अहम रहा। कई मैचों में उन्होंने छोटी मगर तेज और प्रभावशाली पारी खेली। इसी प्रदर्शन के दम पर उन्हें आईसीसी की टी20 वर्ल्ड कप 2026 टीम ऑफ द टूर्नामेंट में भी जगह मिली। दूसरी ओर भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया।

ऐसे सबको चकमा देते हैं जसप्रीत बुमराह

तरकश के इस नए तीर ने वर्ल्ड कप में मचाया कहर

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट में जब भी मैच किसी मुश्किल मोड़ पर पहुंचता है, एक नाम सबसे पहले याद आता है और वह है- जसप्रीत बुमराह। नई गेंद से शुरुआत करनी हो, बीच के ओवरों में विकेट चाहिए हो या डेथ ओवरों में रन रोकने हों- बुमराह टीम इंडिया का वह 'ब्रह्मास्त्र' हैं, जिस पर कप्तान सबसे ज्यादा भरोसा करता है। उनकी गेंदें सिर्फ तेज नहीं होतीं, वे बल्लेबाजों की सोच और टाइमिंग दोनों को तोड़ देती हैं। टी20 वर्ल्ड कप में यह भरोसा एक बार फिर सही साबित हुआ। सेमीफाइनल में इंग्लैंड और फाइनल में न्यूजीलैंड-दोनों ने बुमराह की गेंदबाजी का वही भयावह रूप देखा। जिसने भारत को 8 मार्च को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खिलवा दिया। फाइनल में उनकी गेंदबाजी (4/15) ने मैच की दिशा ही बदल दी, लेकिन यह कहानी सिर्फ आंकड़ों की नहीं है। यह उस अजीब गेंदबाजी एक्शन, असाधारण सोच और एक खास हथियार-



'स्टोअर बॉल' की कहानी है, जिसने आधुनिक टी20 क्रिकेट में बुमराह को लगभग अजेय बना दिया है। बुमराह की कहानी अहमदाबाद के बाहरी इलाके की एक छोटी क्रिकेट अकादमी से शुरू होती है। वहां के कोच किशोर त्रिवेदी आज भी उस दुबले-पतले लड़के को याद करते हैं, जो 16 साल की उम्र में उनके पास आया था। उसका एक्शन इतना अलग था कि अधिकांश पारंपरिक कोच उसे तुरंत बदलने की कोशिश करते। बहुत छोटा रन-अप। शरीर का असामान्य संतुलन। गेंद रिलीज करने का पॉइंट सिर से काफी आगे,

बायां हाथ सामने आकर बल्लेबाज की नजर ढक देता है। कई बच्चों ने शिकायत भी की कि वह 'चकिंग' कर रहा है, लेकिन किशोर त्रिवेदी ने जल्द ही समझ लिया कि यह अजीब दिखने वाला एक्शन ही उसकी असली ताकत है। उन्होंने फैसला किया कि इसे बदलना नहीं जाएगा। बाद में उन्होंने कहा था, 'अगर मैं उसका एक्शन बदल देता, तो उसकी लाइन-लेंथ और आत्मविश्वास दोनों खत्म हो जाते।' ब्रिटेन के तेज गेंदबाजी कोच स्टुअर्ट बार्न्स के मुताबिक, अगर जसप्रीत बुमराह के एक्शन को वैज्ञानिक तरीके से देखा

जाए तो उसमें कोई गंभीर तकनीकी खामी नहीं है। असल फर्क ये है कि वह धीरे-धीरे रन-अप लेते हैं और फिर अचानक करीब 145 किमी/घंटा की रफ्तार से गेंद डाल देते हैं। आखिरी कदमों में अचानक गति पैदा करते हैं। उनका रिलीज पॉइंट आगे और अलग एंगल से आता है। इसी वजह से गेंद बल्लेबाज तक उम्मीद से थोड़ा जल्दी पहुंचती है। नतीजा यह होता है कि बल्लेबाज की टाइमिंग बिगड़ जाती है और यही बुमराह का पहला 'धोखा' बन जाता है। जब जसप्रीत बुमराह किशोर त्रिवेदी की अकादमी में आए थे, तब उनकी सबसे बड़ी ताकत सिर्फ रफ्तार थी। युवा तेज गेंदबाजों की तरह उनका पर्सदीदा हथियार बाउंडर था, लेकिन धीरे-धीरे उनके खेल को तराशा गया। सबसे पहले उन्हें सटीक लाइन-लेंथ सिखाई गई। फिर यॉर्कर पर काम हुआ। इसके बाद उन्होंने स्विंग सीखी। और आखिर में आया वह हथियार, जिसने उन्हें सबसे अलग बना दिया- स्टोअर बॉल।टी20 क्रिकेट

में स्टोअर बॉल अब लगभग हर तेज गेंदबाज का अहम हथियार बन चुकी है। दरअसल, टी20 वर्ल्ड कप 2026 में तेज गेंदबाजों की करीब 15।88% गेंदें पेस-ऑफ थीं- यानी औसतन हर छह गेंद में एक। इससे साफ है कि बल्लेबाजों की बढ़ती आक्रामकता के दौर में गेंदबाजों के लिए गति कम करना भी उतनी ही जरूरी रणनीति बन गया है। बुमराह की स्टोअर बॉल सिर्फ एक गेंद नहीं, बल्कि कई वैरिएशन का पूरा परिवार है। और सबसे बड़ी बात- इन सबका एक्शन लगभग एक जैसा दिखता है। यही कारण है कि बल्लेबाज आखिरी क्षण तक अंदाजा नहीं लगा पाते। सेमीफाइनल में उन्होंने हैरी ब्रूक को और फाइनल में रचिन रवींद्र को पहली ही गेंद पर स्टोअर बॉल से आउट किया। बुमराह का सामना करना बल्लेबाजों के लिए हमेशा मुश्किल रहा है। उनका धीमा रन-अप बल्लेबाज को भ्रमित करता है, जबकि गेंद अचानक तेज रफ्तार से आ जाती है।

एजेंसी । चेन्नई आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप के बाद अब फैन्स की दिलचस्पी आईपीएल में बढ़ने लगी है। जिसका आगाज 28 मार्च से होने जा रहा है। आईपीएल में सबसे ज्यादा चर्चा एमएस धोनी को लेकर हो रही है। लेकिन इसी बीच फैन्स के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। धोनी आईपीएल 2026 का पूरा सीजन खेलेंगे। यह जानकारी चेन्नई सुपरकिंग्स के CEO काशी विश्वनाथन ने बुधवार को दी। धोनी ने इस महीने की शुरुआत में चेन्नई पहुंचकर नए सीजन की तैयारी भी शुरू कर दी है। टीम की ट्रेनिंग कैंप की कमान कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ संभाल रहे हैं। आईपीएल 2026 से पहले ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि चेन्नई सुपरकिंग्स ने संजू सैमसन को राजस्थान से ट्रेड करके टीम में शामिल किया है, ताकि धोनी इस बार कम मैच खेलें या सीमित भूमिका निभाएं। लेकिन काशी विश्वनाथन ने साफ कहा कि



धोनी पूरे सीजन के सभी मैच खेलेंगे। हालांकि वह किस भूमिका में खेलेंगे, इसका फैसला टीम का कोचिंग स्टाफ करेगा। उन्होंने कहा कि यह क्रिकेट से जुड़ा फैसला है। इसलिए प्रशासनिक टीम इसमें दखल नहीं देगी। कोचिंग स्टाफ तय करेगा कि धोनी बल्लेबाज के तौर पर खेलेंगे, विकेटकीपर-बल्लेबाज होंगे या फिर इम्पैक्ट प्लेयर की भूमिका निभाएं। 44 साल के धोनी आईपीएल 2026 के लिए पूरी तरह फिट नजर आ रहे हैं। उन्होंने पिछले महीने से ही रॉचों में हल्की नेट प्रैक्टिस शुरू कर दी थी और अब चेन्नई में टीम के साथ कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं। धोनी

ने पिछले दो सीजन भी पूरे खेले थे, जबकि उन्हें घुटने की चोट की समस्या थी। आईपीएल 2025 में तो उन्होंने बीच टूर्नामेंट में कप्तानी भी संभाली थी, जब गायकवाड़ चोटिल हो गए थे। आईपीएल के इतिहास में पहली बार चेन्नई सबसे नीचे यानी वुडन स्पून पर रही थी। पांच बार की चैंपियन टीम अब आईपीएल 2026 में जोरदार वापसी करना चाहेगी। काशी विश्वनाथन ने कहा कि भारत की वर्ल्ड कप जीत से भी टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है। खासकर CSK के खिलाड़ियों संजू सैमसन और शिवम दुबे के शानदार प्रदर्शन से टीम को फायदा मिलेगा।

फ्लाइट से इंदौर में पहुंचे थे चोरी के लिए चोर

भीड़ में फोन-ज्वेलरी उड़ाने का था प्लान, 20 गिरफ्तार

एजेंसी । इंदौर

मध्य प्रदेश के इंदौर में हैरान कर देने वाली कहानी सामने आई है। यहां रंगपंचमी की गेर के दौरान बड़ी संख्या में भीड़ उमड़ती है। चोरों की नजर यहां लोगों के मोबाइल और ज्वेलरी पार करने पर होती है। इसी को लेकर कुछ आरोपी यहां की भीड़ में फोन व ज्वेलरी पार करने के मकसद से फ्लाइट से इंदौर पहुंचे थे। ये आरोपी यहां होटलों में रुके थे। काशिम ब्रांच और स्थानीय पुलिस की कार्रवाई में 20 आरोपी पकड़े गए हैं। पुलिस के अनुसार, रंगपंचमी की गेर में हर साल लाखों लोग शामिल होते हैं। इस बार भी करीब पांच लाख लोगों के शामिल होने का अनुमान था। इतनी बड़ी भीड़ का फायदा उठाकर जेबकतरी और चोरी की वारदात को अंजाम देने के लिए बाहरी राज्यों से एक गैंग इंदौर पहुंची थी। इस मामले का खुलासा तब हुआ

जब पुलिस को सूचना मिली कि कुछ संदिग्ध लोग शहर में ठहरे हुए हैं और गेर के दौरान बड़ी वारदात की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही क्राइम ब्रांच और छोटी ग्वालटोली थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई शुरू कर दी।पुलिस ने सरबदे बस स्टैंड और उसके आसपास के होटलों में सर्चिंग अभियान चलाया। इस दौरान होटल नीलम और होटल गौरव में ठहरे कई संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया गया। पृष्ठताछ में पता चला कि ये सभी लोग गेर के दौरान भीड़ में घुसकर मोबाइल फोन और सोने की ज्वेलरी चोरी करने की योजना बना रहे थे। जांच में सामने आया कि गिरफ्तार किए गए 20 आरोपियों में से 15 बिहार के पूर्वी और पश्चिमी चंपारण इलाके के रहने वाले हैं। वहीं पांच आरोपी नेपाल की राजधानी काठमांडू से आए थे। पुलिस के मुताबिक, सभी आरोपी

फ्लाइट से इंदौर पहुंचे थे और होटल में ठहरकर गेर के दिन वारदात को अंजाम देने की तैयारी कर रहे थे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह गैंग भीड़भाड़ वाले आयोजनों में जेबकतरी और चोरी की घटनाओं को अंजाम देने में माहिर है। रंगपंचमी की गेर में भारी भीड़ का फायदा उठाकर ये लोग बड़ी संख्या में मोबाइल फोन और सोने के आभूषण चोरी करने की योजना बना रहे थे। एडिशनल डीसीपी रामसेनही मिश्रा ने बताया कि समय रहते कार्रवाई कर पुलिस ने एक बड़ी घटना को टाल दिया। अगर यह गैंग भीड़ में सक्रिय हो जाती तो बड़ी संख्या में लोग चोरी की घटनाओं का शिकार हो सकते थे। फिलहाल पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनसे पृष्ठताछ की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस गैंग के अन्य सदस्य भी शहर में मौजूद हैं या नहीं।

एजेंसी । अहमदाबाद

रविवार की रात अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम जब 'दुबे-दुबे' के नारों से गुंज रहा था, तब शाब्द ही किसी ने सोचा होगा कि कुछ ही घंटों बाद वही खिलाड़ी, जिसने भारत को टी20 वर्ल्ड कप में ऐतिहासिक जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई, चुपचाप एक ट्रेन की थर्ड एसी बोगी की ऊपरी बर्थ पर रेलवे के भूरे कंबल में खुद को छिपाकर मुंबई की यात्रा कर रहा होगा। भारतीय टीम के इस 'लास्ट एक्शन हीरो' शिवम दुबे के लिए टी20 वर्ल्ड कप का अंत उतना ही असाधारण था, जितना उनका प्रदर्शन।फाइनल में दुबे ने वही किया जिसके लिए उन्हें टीम में चुना गया था- अंतिम ओवरों में विस्फोटक बल्लेबाजी। भारतीय पारी के 20वें ओवर में लंबे कद के इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने



तीन चौके और दो छक्के जड़ दिए। उनकी इन ताबड़तोड़ गेंदों ने भारत का स्कोर 250 के पार पहुंचा दिया और न्यूजीलैंड की पहुंच से लगभग बाहर कर दिया। पूरे टूर्नामेंट में दुबे की भूमिका स्पष्ट थी। मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने उन्हें स्पष्ट निर्देश दिए थे - बल्लेबाजी करते समय रनरेट कभी गिरने नहीं देना और गेंदबाजी में रन रोकने की जिम्मेदारी निभाना।

दुबे ने इस जिम्मेदारी को बखूबी निभाया। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 235 रन बनाए, औसत 39 और स्ट्राइक रेट 169 रहा। उनके बल्ले से 17 छक्के और 15 चौके निकले। फाइनल में उनका 8 गेंदों पर 26 रन का कैमियो निर्णायक साबित हुआ। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, मैच खत्म होने के बाद अहमदाबाद से मुंबई की सारी उड़ानें भरी हुई थीं। ऐसे में दुबे ने एक ऐसा फैसला

किया, जिसकी कल्पना भी कम लोग करेंगे- उन्होंने ट्रेन से घर लौटने का निर्णय लिया। दुबे ने बताया, 'कोई फ्लाइट उपलब्ध नहीं थी, इसलिए मैंने सुबह की ट्रेन से मुंबई जाने का फैसला किया। सड़क से भी जा सकते थे, लेकिन।।' उनके साथ पत्नी अंजुम और एक दोस्त भी थे। मगर सबसे बड़ी चिंता थी पहचान छिपाने की। दुबे कहते हैं, 'हमने 3rd AC के टिकट बुक किए। घरवाले और दोस्त सभी चिंतित थे- अगर स्टेशन या ट्रेन में किसी ने पहचान लिया तो क्या होगा?' दुबे ने खुद को पहचान से बचाने के लिए पूरा इंतजाम किया। सिर पर कैप, चेहरे पर मास्क और फुल लंबी टी-शर्ट पहनी। सुबह 5:10 बजे की ट्रेन होने के कारण उन्हें उम्मीद थी कि प्लेटफॉर्म पर ज्यादा भीड़ नहीं होगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ- कई क्रिकेट प्रशंसक अब भी भारतीय टीम की

जर्सी पहने जश्न के माहौल में थे। ऐसे में दुबे ने योजना बदल दी। उन्होंने कहा कि मैंने पत्नी से कहा कि मैं ट्रेन छूटने से पांच मिनट पहले तक कार में ही इंतजार करूंगा और फिर तेजी से ट्रेन में चढ़ जाऊंगा। ट्रेन में चढ़ते ही दुबे सीधे अपनी ऊपरी बर्थ पर पहुंच गए। तभी टिकट चेकर आया। टिकट देखते हुए उसने पूछा- शिवम दुबे? वो कौन है, AC के टिकट बुक किए। घरवाले और दोस्त सभी चिंतित थे- अगर स्टेशन या ट्रेन में किसी ने पहचान लिया तो क्या होगा?' दुबे ने खुद को पहचान से बचाने के लिए पूरा इंतजाम किया। सिर पर कैप, चेहरे पर मास्क और फुल लंबी टी-शर्ट पहनी। सुबह 5:10 बजे की ट्रेन होने के कारण उन्हें उम्मीद थी कि प्लेटफॉर्म पर ज्यादा भीड़ नहीं होगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ- कई क्रिकेट प्रशंसक अब भी भारतीय टीम की

इंटरनेट ब्लैकआउट का खतरा, जहां हो रहा हमला, वहीं होर्मुज के पास है डिजिटल कॉरिडोर

एजेंसी । नई दिल्ली

दुनिया में स्ट्रेट औप होर्मुज को आमतौर पर तेल की लाइफलाइन कहा जाता है। हर दिन लाखों बैरल कच्चा तेल इसी रास्ते से गुजरता है। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि यह समुद्री रास्ता सिर्फ तेल ही नहीं, बल्कि दुनिया के इंटरनेट का भी एक अहम डिजिटल कॉरिडोर है। इस इलाके में और तनाव बढ़ता है या जंग जैसी स्थिति बनती है, तो उसका असर सिर्फ तेल की कीमतों पर ही नहीं बल्कि इंटरनेट, क्लाउड सर्विस और ग्लोबल डेटा ट्रैफिक पर भी पड़ सकता है। दरअसल, समुद्र के नीचे बिछे हजारों किलोमीटर लंबे फाइबर-ऑप्टिक केबल ही दुनिया के इंटरनेट की असली रीढ़ हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक दुनिया के लगभग 95 से 99 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय डेटा ट्रैफिक इन्हीं

अंडरसी केबल्स के जरिए चलता है। इनमें ई-मेल, बैंकिंग ट्रांजेक्शन, क्लाउड डेटा और सरकारी कम्युनिकेशन तक सब कुछ शामिल होता है। अगर इन केबल्स को नुकसान पहुंचता है, तो इंटरनेट स्लो होना, वेबसाइट्स का डाउन होना या क्लाउड सर्विस में दिक्कत आना जैसी समस्याएं सामने आ सकती हैं। आज दुनिया में 400 से ज्यादा बड़े सबमरीन इंटरनेट केबल नेटवर्क मौजूद हैं जो महाद्वीपों को आपस में जोड़ते हैं। ये केबल समुद्र की सतह से कई किलोमीटर नीचे बिछे होते हैं और लाइट की स्पीड के करीब डेटा ट्रांसफर करते हैं। मिडिल ईस्ट और एशिया को यूरोप से जोड़ने वाले कई महत्वपूर्ण केबल नेटवर्क पर्सियन गल्फ और उसके आसपास के इलाकों से गुजरते हैं। इन्हें Gulf Bridge Interna-



tional, FALCON, Europe India Gateway और I-ME-WE जैसे बड़े नेटवर्क शामिल हैं जो एशिया, अफ्रीका और यूरोप को जोड़ते हैं। इन्हीं समुद्री रास्तों

के ऊपर से दुनिया का सबसे अहम तेल मार्ग यानी Strait of Hormuz गुजरता है। यही वजह है कि इसे अब सिर्फ ऊर्जा ही नहीं बल्कि डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का भी चोकपॉइंट माना

जा रहा है। दुनिया भर के कई मेजर टेलीकॉम प्रोवाइडर्स के लिए Hormuz चेकप्वाइंट है। लेकिन भारतीय टेलीकॉम कंपनी जैसे भारती एयरटेल

का कहना है कि वो उस पैसेज से अपने केबल्स को ऑफरेट नहीं करते हैं। भारत का इंटरनेशनल डेटा ट्रैफिक मुख्य रूप से लाल सागर और अदन की खाड़ी से गुजरता है। टेक एक्सपर्ट्स के मुताबिक भारत से यूरोप या अमेरिका जाने वाले कई डेटा रूट मिडिल ईस्ट से होकर गुजरते हैं। रिपोर्ट्स बताती हैं कि भारत के वेस्टबाउंड इंटरनेट ट्रैफिक का करीब एक-तिहाई हिस्सा इस क्षेत्र से होकर गुजरता है। अगर किसी कारण से इस इलाके में समुद्री गतिविधियां रुकती हैं, केबल डैमेज हो जाते हैं या डेटा रूट ब्लॉक हो जाते हैं, तो भारत में भी इंटरनेट स्पीड और इंटरनेशनल कनेक्टिविटी प्रभावित हो सकती है। हालांकि पूरी तरह से ब्लैकआउट या इंटरनेट शटडाउन इस वजह से भारत में नहीं हो सकता है। हाल ही में रेड सी इलाके में अंडरसी केबल

कटने की घटना सामने आई थी। उस समय एशिया और मिडिल ईस्ट के कई देशों में इंटरनेट कनेक्शन प्रभावित हुए थे और क्लाउड सेवाओं की स्पीड भी कम हो गई थी। बड़ी टेक कंपनियों को तब आने डेटा ट्रैफिक को दूसरे रास्तों से रीरूट करना पड़ा था, जिससे नेटवर्क लैटेंसी बढ़ गई थी और कई ऑनलाइन सेवाएं धीमी हो गई थीं। मिडिल ईस्ट में पिछले कुछ वर्षों में बड़ी टेक कंपनियां ने भारी निवेश किया है। अमेजन, गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियां यहां डेटा सेंटर और AI इंफ्रास्ट्रक्चर बना रही हैं। लेकिन इन डेटा सेंटरों से दुनिया से जोड़ने वाले कई केबल इसी क्षेत्र से होकर गुजरते हैं। ऐसे में अगर होर्मुज जैसे रणनीतिक इलाके में सैन्य तनाव बढ़ता है, तो सिर्फ जहाजों या तेल सप्लाई पर ही नहीं बल्कि डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी

खतरा बढ़ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि समुद्र के नीचे बिछे केबल बेहद संवेदनशील होते हैं। कई बार जहाज का एंकर, समुद्री गतिविधियां या भू-राजनीतिक तनाव भी इन्हें नुकसान पहुंचा सकते हैं। अगर किसी स्ट्रैटिजिक समुद्री रास्ते में केबल कट जाते हैं तो डेटा ट्रैफिक को दूसरे रूट पर भेजना पड़ता है, जिससे नेटवर्क स्लो हो जाता है और कई सेवाओं में दिक्कत आने लगती है। यही वजह है कि अब दुनिया में Strait of Hormuz को सिर्फ तेल का नहीं बल्कि इंटरनेट का भी अहम चेकप्वाइंट माना जा रहा है। दुनिया जब भी Hormuz की खबरें देखती है तो ज्यादातर चर्चा तेल और शिपिंग पर होती है। लेकिन असलियत यह है कि समुद्र के नीचे छिपे केबल आज वैश्विक डिजिटल इकॉनमी की असली लाइफलाइन बन चुके हैं।